Daily Current Affairs 23/12/2021

1. बहु राज्य सहकारी समितियों (MSCS) अधिनियम, 2002

चर्चा में क्यों?

- **केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह** ने घोषणा की कि केंद्र ने "अधिनियम में खामियों को दूर करने" के लिए **बहु राज्य सहकारी समितियों (MSCS) अधिनियम, 2002** में संशोधन करने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

बहु राज्य सहकारी समितियों (MSCS) अधिनियम, 2002 के बारे में:

- सहकारिता राज्य का विषय है, लेकिन चीनी और दूध, बैंक, दूध संघ आदि जैसी कई समितियां हैं जिनके सदस्य और संचालन के क्षेत्र एक से अधिक राज्यों में फैले हुए हैं।
- ऐसी सहकारी समितियों को नियंत्रित करने के लिए अधिनियम पारित किया गया था।
- उदाहरण के लिए, कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा पर जिलों के साथ अधिकांश चीनी मिलें दोनों राज्यों से गन्ना खरीदती हैं।
- वे दोनों राज्यों से अपनी सदस्यता प्राप्त करते हैं, और इस प्रकार वे MSCS अधिनियम के तहत पंजीकृत हैं।

byjusexamprep

नोट:

- इस कानून के लागू होने के बाद से, 1,479 ऐसी सोसायटियों को पंजीकृत किया गया है, जिनमें से 9 का पंजीकरण रद्द कर दिया गया है।
- महाराष्ट्र में सबसे अधिक 567 है, इसके बाद उत्तर प्रदेश (147) और नई दिल्ली (133) है।
- क्रेडिट सोसायटी 610 पंजीकृत सोसायटियों का गठन करती हैं, इसके बाद कृषि आधारित सोसाइटियां (जिसमें चीनी मिलें, कताई मिलें आदि शामिल हैं) 244 हैं।
- 96 बहुराज्य सहकारी डेयरियां और 66 बहु राज्य सहकारी बैंक हैं।

परिभाषा:

- अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (ICA) एक सहकारी को "संयुक्त रूप से स्वामित्व वाले और लोकतांत्रिक रूप से नियंत्रित उद्यम के माध्यम से अपनी आम आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए स्वेच्छा से एकजुट व्यक्तियों का एक स्वायत्त संघ" के रूप में परिभाषित करता है।

कुछ उदाहरण:

- भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (IFFCO)
- अमूल (AMUL)
- भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (NAFED)

संवैधानिक प्रावधान:

- संविधान (97वां संशोधन) अधिनियम, 2011 ने भारत में काम कर रही सहकारी समितियों के संबंध में एक नया भाग IXB जोड़ा।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

byjusexamprep.com

2. DRDO ने स्वदेश में ही विकसित नई पीढ़ी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल 'प्रलय' का पहला सफलतापूर्वक परीक्षण किया

चर्चा में क्यों?

- **रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO)** ने स्वदेश में ही विकसित सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल **'प्रलय'** का पहला सफलतापूर्वक परीक्षण ओडिशा तट पर डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वीप से किया।

प्रमुख बिंदु

- प्रलय मिसाइल ठोस प्रॉपेलेंट रॉकेट मोटर और कई नई तकनीकों से संचालित होती है।
- इस मिसाइल की रेंज क्षमता 150-500 किलोमीटर है और इसे मोबाइल लॉन्चर से लॉन्च किया जा सकता है।
- प्रलय मिसाइल गाइडेंस प्रणाली में अत्याधुनिक नेविगेशन और एकीकृत एवियोनिक्स प्रणाली शामिल हैं।

BYJU'S EXAM PREP
BYJU'S EXAM PREP SUBSCRIBE

नोट: इससे पहले, स्वदेश में विकसित अगली पीढ़ी के **बख्तरबंद इंजीनियर टोही वाहन** के पहले सेट को भारतीय सेना की इंजीनियर्स कोर में शामिल किया गया।

स्रोत: PIB

3. फसल की सुरक्षा के लिए कीटनाशक के प्रयोग तथा मिट्टी एवं फसल के पोषक तत्वों के छिड़काव के लिए ड्रोन का इस्तेमाल

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने फसल की सुरक्षा के लिए कीटनाशक के प्रयोग तथा मिट्टी एवं फसल के पोषक तत्वों के छिड़काव के लिए **ड्रोन** के इस्तेमाल हेतु **मानक संचालन प्रक्रिया (SOP)** जारी की।

प्रमुख बिंदु

- आमतौर पर **ड्रोन** के रूप में जाने जाने वाले **मानवरहित हवाई वाहनों (UAV)** के इस्तेमाल से भारतीय कृषि में क्रांति लाने तथा देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की काफी संभावनाएं हैं।

- देश के विभिन्न राज्यों में टिड्डियों के हमलों को रोकने के लिए पहली बार ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था।

कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी के अन्य उपयोग:

- फसल निगरानी

- इष्टतम पोषक तत्व वितरण
- बेहतर फसल प्रबंधन

भारत में ड्रोन विनियमों के लिए नियम: राष्ट्रीय ड्रोन नीति को अधिसूचित कर दिया गया है और **ड्रोन नियम 2021** को देश में लोगों तथा कंपनियों के लिए अब ड्रोन के स्वामित्व एवं संचालन को काफी आसान बना दिया गया है।

स्रोत: PIB

4. खेल मंत्रालय ने पिछले पांच वर्षों में विभिन्न खेल विकास योजनाओं के अंतर्गत ₹6,801.30 करोड़ जारी किए

सत्यमेव जयते
Ministry of Youth Affairs And Sports
Government of India

चर्चा में क्यों?

- **युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय** ने पिछले पांच वर्षों में विभिन्न खेल विकास योजनाओं के अंतर्गत ₹6,801.30 करोड़ जारी किए।
- यह जानकारी युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में दी।

प्रमुख बिंदु

- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ग्रामीण स्तर सहित देश में खेलों के विकास के लिए निम्नलिखित योजनाएं चलाता है:

  (i) खेलो इंडिया योजना

  (ii) राष्ट्रीय खेल संघों को सहायता

BYJU'S EXAM PREP
SUBSCRIBE BYJU'S EXAM PREP

(iii) अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में विजेताओं और उनके प्रशिक्षकों को विशेष पुरस्कार

(iv) राष्ट्रीय खेल पुरस्कार

(v) मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन

(vi) पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेल कल्याण कोष

(vii) राष्ट्रीय खेल विकास कोष

(viii) भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्र चलाना

नोट:

- पिछले पांच वर्षों के दौरान, इस मंत्रालय की विभिन्न खेल विकास योजनाओं के तहत ₹ 7,072.28 करोड़ की राशि आवंटित की गई और ₹ 6,801.30 करोड़ की राशि जारी की गई।

स्रोत: PIB

5. NITI आयोग ने संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के साथ आशय घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किये

चर्चा में क्यों?

- **NITI आयोग** ने **संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP)** के साथ एक **आशय घोषणापत्र (SoI)** पर हस्ताक्षर किये हैं।
- इस साझेदारी के तहत **मोटे अनाज** को मुख्यधारा में लाने पर ध्यान दिया जायेगा और **2023 को अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष** होने के नाते इस अवसर पर भारत को ज्ञान के आदान-प्रदान के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करने में समर्थन दिया जायेगा।

प्रमुख बिंदु

- इसके अलावा, इस साझेदारी का लक्ष्य है छोटी जोत के किसानों के लिये सतत आजीविका के अवसर बनाना, जलवायु परिवर्तन को देखते हुये क्षमताओं को अपनाना और खाद्य प्रणाली में बदलाव लाना।
- आशय घोषणापत्र के तहत नीति आयोग और विश्व खाद्य कार्यक्रम के बीच रणनीतिक तथा तकनीकी सहयोग पर ध्यान दिया जाना है, ताकि भारत में उन्नत खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिये जलवायु का सामना करने वाली कृषि को मजबूत किया जाये।
- कदन्न फसलों के महत्त्व को पहचान कर भारत सरकार ने 2018 को कदन्न वर्ष के रूप में मनाया था।
- इस पहल को आगे बढ़ाते हुये, भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र आमसभा में 2023 को अंतर्राष्ट्रीय कदन्न दिवस के रूप में घोषित करने के प्रस्ताव का नेतृत्व किया था।
- मोटे अनाजों को प्रोत्साहन देने के लिये कई कदम उठाये गये, जिनमें उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में पोषक अनाज को शामिल करना और कई राज्यों में कदन्न मिशन की स्थापना करना शामिल है।

नोट: हाल ही में, **अटल नवाचार मिशन (AIM), NITI आयोग** और **संयुक्त राष्ट्र पूंजी विकास कोष (UNCDF)** ने अपने महत्वाकांक्षी नवाचारी एग्री-टेक कार्यक्रम के लिए अपना **पहला एग्री-टेक चैलेंज कोहॉर्ट** शुरू किया है, जिसका उद्देश्य कोरोना महामारी के परिणामस्वरूप पैदा हुई चुनौतियों से निपटने में एशिया और अफ्रीका के छोटे किसानों की मदद करना है।

स्रोत: PIB

6. श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती मनाने के लिए 53-सदस्यीय समिति

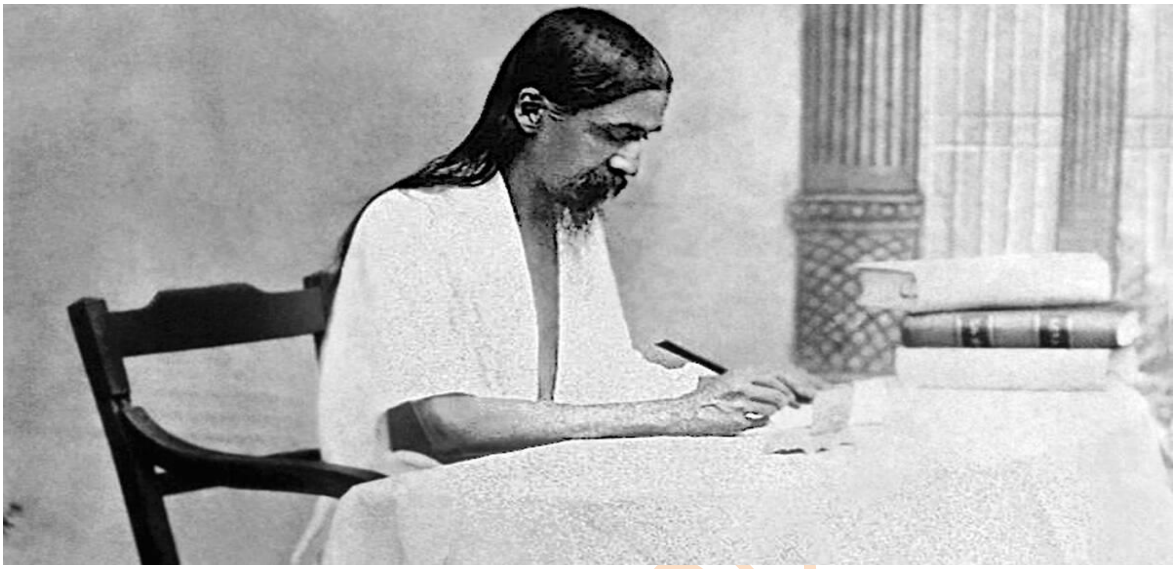

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक व्यापक **53-सदस्यीय समिति** का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसे **आध्यात्मिक नेता श्री अरबिंदो** की **150वीं जयंती के अवसर** पर स्थापित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, प्रधानमंत्री के अलावा, समिति में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, दो पूर्व पीएम - मनमोहन सिंह और एचडी देवेगौड़ा - और कई कैबिनेट मंत्री हैं।
- 150वीं जयंती 15 अगस्त, 2022 को पड़ती है, और भारत @ 75 समारोहों के साथ मेल खाता है, जिसे केंद्र ने आज़ादी का अमृत महोत्सव कहा है।
- **श्री अरबिंदो** का जन्म 15 अगस्त, 1872 को कलकत्ता में हुआ था और उन्होंने भारत में ब्रिटिश सरकार के खिलाफ विद्रोह की गुप्त तैयारी में अग्रणी भूमिका निभाई।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

byjusexamprep

7. पीवी सिंधु को BWF एथलीट आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया

चर्चा में क्यों?

- भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता शटलर **पीवी सिंधु** को **बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) एथलीट आयोग** के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- 26 वर्षीय पूर्व विश्व चैंपियन को पांच अन्य लोगों के साथ नामित किया गया जो 2025 तक सदस्य के रूप में काम करेंगे।
- आइरिस वांग (अमेरिका), रॉबिन टेबेलिंग (नीदरलैंड), ग्रेसिया पोली (इंडोनेशिया), किम सोयोंग (दक्षिण कोरिया), पुसरला वी सिंधु (भारत) और झेंग सी वेई (चीन) को BWF एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।
- छह सदस्यों में से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का फैसला होगा।

नोट:

- 2016 में रियो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली **सिंधु** ने इस साल की शुरुआत में टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया था।

स्रोत: TOI

8. ओडिशा के मुख्यमंत्री ने कटक में महानदी नदी पर सबसे लंबे पुल 'टी-सेतु' का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों?

- **ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक** ने कटक के गोपीनाथपुर में महानदी नदी पर **ओडिशा के सबसे लंबे पुल 'टी-सेतु'** का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- बड़म्बा में गोपीनाथपुर, बांकी में बैदेश्वर को नदी के बीच स्थित सिंघनाथ पीठ से जोड़ने वाले 3.4 किमी लंबे पुल को 111 करोड़ रुपये की लागत से अंग्रेजी वर्णमाला 'टी' के आकार में बनाया गया है।
- यह 5 लाख से अधिक लोगों को लाभान्वित करेगा और साथ ही क्षेत्र में पर्यटन, कृषि और वाणिज्य के विकास में योगदान देगा।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

9. दिल्ली में पहला शिक्षक विश्वविद्यालय शुरू होगा

चर्चा में क्यों?

- **मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली कैबिनेट** ने **'दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय'** की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- 'दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय' विधेयक 2021 आगामी सत्र में दिल्ली विधान सभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।
- दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय 'एक सार्वजनिक विश्वविद्यालय होगा जो विभिन्न स्कूल चरणों में शहर के लिए उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले शिक्षक तैयार करने के लिए समर्पित होगा।
- नए विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए प्रवेश शुरू होगा।

स्रोत: इंडिया टुडे

10. 23 दिसंबर, राष्ट्रीय किसान दिवस

चर्चा में क्यों?

- **राष्ट्रीय किसान दिवस** भारत के किसानों को सम्मानित करने और देश के **पांचवें प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह** की जयंती को चिह्नित करने के लिए **23 दिसंबर** को देश भर में मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

इतिहास:

- चौधरी चरण सिंह ने किसानों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की थीं और किसानों और उनकी समस्याओं पर कई किताबें लिखी थीं, जिसमें देश के किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न समाधानों का चित्रण किया गया था।
- इसलिए सरकार ने 2001 में चरण सिंह की जयंती को किसान दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया।

स्रोत: इंडिया टुडे

byjusexamprep.com